भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1921

दिनांक 11.12.2025 को उत्तर के लिए नियत

एमएसएमई चैंपियंस योजना

1921. श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) एमएसएमई सस्टेनेबल (जेडईडी) सर्टिफिकेशन, एमएसएमई-कॉम्पिटिटिव (लीन) योजना और इनक्यूबेशन, आईपीआर, डिजाइन और डिजिटल एमएसएमई हेतु एमएसएमई इनोवेटिव योजना सहित एमएसएमई चैंपियंस योजना के उद्देश्य और प्रमुख घटक क्या हैं;

(ख) एमएसएमई चैंपियंस योजना की शुरुआत से इसके अंतर्गत अब तक स्वीकृत, संवितरित और उपयोग की गई धनराशि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) विशेषकर कर्नाटक के संदर्भ में राज्य में जिला-वार लाभार्थियों और पहलों के ब्यौरे सहित इस योजना के प्रत्येक घटक के अंतर्गत सहायता प्राप्त एमएसएमई की संख्या, आयोजित क्षमता-निर्माण कार्यक्रम और प्राप्त परिणाम क्या हैं; और

(घ) कर्नाटक में एमएसएमई चैंपियंस योजना के अंतर्गत प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने, स्टार्टअप की सहायता करने और एमएसएमई के लिए प्रौद्योगिकी उन्नयन को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क): एमएसएमई चैंपियंस स्कीम एक ही उद्देश्य के साथ विभिन्न स्कीमों और हस्तक्षेपों को एकजुट करने, तालमेल बिठाने और अभिसरण करने का एक समग्र दृष्टिकोण है। उद्यमों को चुनना और उनकी प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाना, बर्बादी को कम करना, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा को तीव्र करना और उनकी राष्ट्रीय और वैश्विक पहुंच और उत्कृष्टता को सुविधाजनक बनाना इसका अंतिम उद्देश्य है। एमएसएमई चैंपियंस स्कीम के अंतर्गत तीन घटक हैं, जिनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

i. एमएसएमई-सतत (जेड) प्रमाणन स्कीम: जेड प्रमाणन में एमएसएमई के मध्य जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (जेड) पद्धतियों को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई है। यह स्कीम नवीनतम तकनीक, उपकरणों का उपयोग करके गुणवत्ता वाले उत्पादों के विनिर्माण के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहित करती है और उसे सक्षम बनाती है और पर्यावरण पर कम से कम प्रभाव के साथ उच्च गुणवत्ता और उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए अपनी प्रक्रियाओं को लगातार उन्नत करती है।

ii. एमएसएमई-प्रतिस्पर्धी (लीन) स्कीम: लीन स्कीम, लीन टूल्स और तकनीकों के कार्यान्वयन के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की ओर से एक व्यापक अभियान है।

iii. एमएसएमई-इनोवेटिव {इनक्यूबेशन, डिजाइन और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर)} स्कीम: एमएसएमई इनोवेटिव, एमएसएमई के लिए एक नई अवधारणा है, जिसमें इन्क्यूबेशन और डिजाइन इंटरवेंशन में नवाचार और एकल मोड दृष्टिकोण में आईपीआर की रक्षा करके एमएसएमई के बीच जागरूकता सृजित की जाती है और उन्हें आईपीआर प्राप्त करने और व्यावसायिक उद्यमों में विचारों और डिजाइनों को विकसित करने में सक्षम बनाया जाता है।

(ख): एमएसएमई चैंपियंस स्कीम एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है, जिसमें संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों (आईए) को निधि जारी की जाती है और कोई राज्य-वार निधि जारी नहीं की जाती है। संस्वीकृत, संवितरित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	**निधि** *(करोड़ रु. में)*
2021-22	लागू नहीं
2022-23	44.05
2023-24	88.75
2024-25	51.53
2025-26 *(दिनांक 30.11.2025 की स्थिति के अनुसार)*	52.04

(ग): सहायता-प्राप्त एमएसएमई की संख्या और स्कीम के प्रत्येक घटक के अंतर्गत प्राप्त किए गए परिणाम **अनुबंध-I** में संलग्न हैं और एमएसएमई चैंपियंस स्कीम के लिए एमएसएमई कार्यनिष्पादन का उत्थान और गतिवर्धन (रैंप) कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित क्षमता-निर्माण कार्यक्रम **अनुबंध-II** (जेड और लीन के लिए) और**अनुबंध-III** (इन्क्यूबेशन के लिए) में संलग्न हैं, कर्नाटक राज्य के लिए जिले-वार ब्यौरे के साथ।

(घ): कर्नाटक राज्य सहित पूरे देश में एमएसएमई के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और प्रौद्योगिकी उन्नयन को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई चैंपियंस स्कीम के विभिन्न घटकों के अंतर्गत कई उपाय किए गए हैं। यह स्कीम कई घटकों के माध्यम से काम करती है जो गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, नवाचार और प्रक्रिया दक्षता को एक साथ संबोधित करते हैं। यह स्कीम एमएसएमई को जेड प्रमाणन लागत, परामर्श कार्य, प्रक्रिया सुधार, डिजाइन/नवाचार इंक्यूबेशन, आईपीआर पंजीकरण, लीन कार्यान्वयन आदि के लिए वित्तीय सहायता/राजसहायता/सहायता प्रदान करती है। कर्नाटक राज्य में, 60,861 एमएसएमई को जेड के अंतर्गत प्रमाणित किया गया है, 1,117 एमएसएमई को आधारभूत स्तर पर लीन के अंतर्गत प्रमाणित किया गया है, 26 एमएसएमई (98 आइडिया) को इनक्यूबेशन के अंतर्गत सहायता प्रदान की जा रही है, 23 परियोजनाओं को डिजाइन के अंतर्गत अनुमोदित किया गया है और 136 एमएसएमई ने आईपीआर घटक के अंतर्गत ट्रेडमार्क, पेटेंट और जीआई के लिए प्रतिपूर्ति का लाभ उठाया है। ब्यौरा **अनुबंध-I** में संलग्न हैं।

***

अनुबंध-I

एमएसएमई चैंपियंस स्कीम के अंतर्गत सहायता-प्राप्त एमएसएमई की संख्या एवं प्राप्त परिणाम-

कर्नाटक में जिला-वार ब्यौरा

क्र.सं.	जिले का नाम	एमएसएमई सतत (जेड) स्कीम (प्रमाणन)	एमएसएमई प्रतिस्पर्धी (लीन) स्कीम (प्रमाणन)	एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम		
				इंक्यूबेशन (सहायता-प्राप्त एमएसएमई)	डिजाइन (अनुमोदित परियोजना)	आईपीआर (प्रतिपूर्ति)
1	बागलकोट	6085	82	-	-	1
2	बल्लारी	785	5	-	-	1
3	बेलगावी	10045	265	-	-	1
4	बेंगलुरु ग्रामीण	3720	25	-	1	10
5	बेंगलुरु शहरी	11516	220	15	19	94
6	बीदर	150	2	-	-	-
7	चामराजनगर	383	-	-	-	-
8	चिकबल्लपुर	654	1	-	-	-
9	चिक्कामगलुरु	180	-	-	1	-
10	चित्रदुर्ग	703	-	-	-	-
11	दक्षिण कन्नड़	958	27	3	1	1
12	दावणगेरे	921	-	-	-	-
13	धारवाड़	1988	8	2	-	7
14	गडग	1250	72	-	-	-
15	हसन	1257	1	-	-	1
16	हावेरी	780	13	-	-	-
17	कलबुर्गी	410	1	-	-	4
18	कोडागू	174	-	-	-	-
19	कोलार	694	6	-	-	7
20	कोप्पल	891	132	-	-	-
21	मंड्या	1251	3	-	-	-
22	मैसूरू	6750	5	4	-	4
23	रायचूर	172	1	-	-	-
24	रामानगर	1142	3	-	-	-
25	शिवमोगा	1488	66	-	-	1
26	तुमकुरु	3534	125	-	-	-
27	उडुपी	892	-	2	1	1
28	उत्तर कन्नड़	823	5	-	-	1
29	विजयनगर	203	-	-	-	-
30	विजयपुरा	961	49	-	-	2
31	यादगिर	101	-	-	-	-

अनुबंध-II

दिनांक 06 दिसंबर 2025 तक की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक राज्य के लिए रैंप कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जेड और लीन जागरूकता कार्यशालाओं का जिला-वार डाटा

क्र.सं.	जिला	रैंप कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित जेड और लीन जागरूकता कार्यशालाओं की संख्या (जिला-वार)	भाग लेने वाले एमएसएमई की संख्या
1	बागलकोट	3	344
2	बल्लारी	1	100
3	बेलगावी	2	218
4	बेंगलुरु (ग्रामीण)	1	68
5	बेंगलुरु (शहरी)	4	338
6	बीदर	2	230
7	चामराजनगर	2	284
8	चिकबल्लपुर	2	214
9	चिक्कामगलुरु	1	108
10	चित्रदुर्ग	1	120
11	दक्षिण कन्नड़	1	105
12	दावणगेरे	1	180
13	धारवाड़	2	212
14	गडग	1	98
15	हसन	1	107
16	हावेरी	1	125
17	कलबुर्गी	2	223
18	कोडागू	0	0
19	कोलार	2	142
20	कोप्पल	1	120
21	मंड्या	1	150
22	मैसूरू	2	231
23	रायचूर	1	100
24	रामानगर	3	369
25	शिवमोगा	3	248
26	तुमकुरु	1	100
27	उडुपी	1	106
28	उत्तर कन्नड़	1	62
29	विजयपुरा	2	236
30	विजयनगर	2	190
31	यादगिरी	1	153

अनुबंध-III

दिनांक 06 दिसंबर 2025 तक की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक राज्य के लिए रैंप कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इंक्यूबेशन जागरूकता कार्यशालाओं का जिला-वार डाटा

क्र.सं.:	जिला	रैंप कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इन्क्यूबेशन जागरूकता कार्यशालाओं की संख्या (जिला-वार)	भाग लेने वाले छात्रों/युवा उद्यमियों की संख्या
1	बागलकोट	2	263
2	बल्लारी	2	200
3	बेलगावी	2	200
4	बेंगलुरु (ग्रामीण)	0	0
5	बेंगलुरु (शहरी)	1	100
6	बीदर	2	217
7	चामराजनगर	1	180
8	चिकबल्लपुर	2	210
9	चिक्कामगलुरु	2	221
10	चित्रदुर्ग	2	203
11	दक्षिण कन्नड़	2	240
12	दावणगेरे	2	224
13	धारवाड़	1	108
14	गडग	0	0
15	हसन	2	229
16	हावेरी	1	172
17	कलबुर्गी	2	264
18	कोडागू	2	200
19	कोलार	2	210
20	कोप्पल	2	229
21	मंड्या	1	100
22	मैसूरू	2	200
23	रायचूर	2	200
24	रामानगर	2	271
25	शिवमोगा	2	220
26	तुमकुरु	2	210
27	उडुपी	2	200
28	उत्तर कन्नड़	0	0
29	विजयपुरा	2	200
30	विजयनगर	1	100
31	यादगिरी	2	200